GUEST OF HONOUR

Rajesh Khoth
(SDM Hansi)

Lt. Gen. Dr. DP Vats
(Ex - MP)

Principal's Message

Dear Readers,

Warm greetings to all our students, parents, staff, and well-wishers.

At PM SHRI Bhatol Kharkara School, we believe education is about nurturing the whole child, balancing academic excellence with emotional growth, creativity, and strong moral values. Our goal is to create a safe, inspiring environment where every student can discover and develop their unique potential.

Reflecting on the past year, I am proud of our achievements across academics, sports, arts, and community service. These successes are a result of the dedication of our teachers, the support of our parents, and the passion of our students.

Yet, true success lies not only in awards but in the friendships built, lessons learned, and resilience gained. We strive to equip our students with the skills, curiosity, and character needed to thrive in an ever-changing world.

To our students: dream big, stay curious, and believe in yourselves. To our parents and staff: thank you for your trust, commitment, and partnership.

Let us continue to move forward together towards an even brighter future.

Warm regards,

Smt. Neelam Dalal
Principal
PM SHRI Bhatol Kharkara

VICE-PRINCIPAL MESSAGES

The aim of education is the overall development of a child’s personality. Personality means mental, moral and physical growth. Right kind of education builts strong character of a child. Parents and teachers help you to be the worthy sons and daughters of the motherland.

School is a place where you attain knowledge that brings you power. This is the place where you develop personality and confidence. Here you learn to respect elders and inculcate the habits of hard work. You can progress only by doing consistent efforts. Be honest, disciplined and do you duty sincerely .

With blessings

Shamsher Bamel
Vice-Principal

EDITOR'S DESK

ASHA
PGT HINDI

DR. NEERU BALA
PGT ENGLISH

Dear Readers,

We are delighted to present to you this edition of our school magazine - a reflection of the creativity, spirit, and talent that thrives within the walls of our institution. Every page has been thoughtfully curated to bring you inspiring stories, heartfelt poems, artwork full of imagination, and glimpses of the many achievements of our students and staff.

We believe that a school magazine is not just a collection of articles but a mirror that reflects the passion, dreams, and voices of young minds. Through this platform, we aim to celebrate expression, encourage thought, and nurture the joy of learning beyond the classroom.

We thank all the contributors, mentors, and supporters who made this edition possible. Your efforts are the reason this magazine is not just a publication, but a journey through the heart of our school.

Happy Reading!

Warm Regards,
Editorial Team

Krishan Kumar
PGT HINDI

Editorial Board
Students & Teachers

Desk Editors

Field Reporters

RESULT HIGHLIGHTS

Top Results

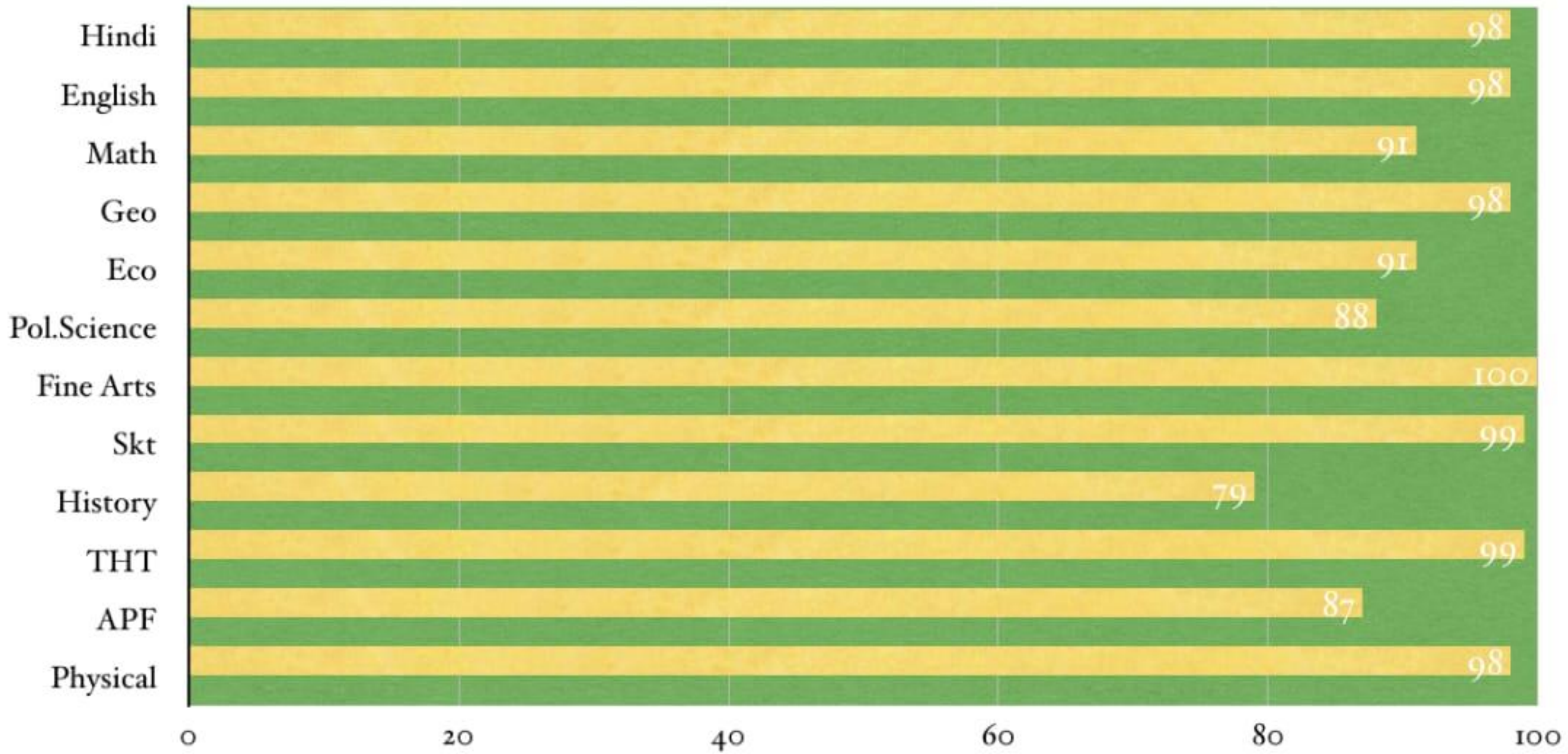

RESULT HIGHLIGHTS

Top Marks

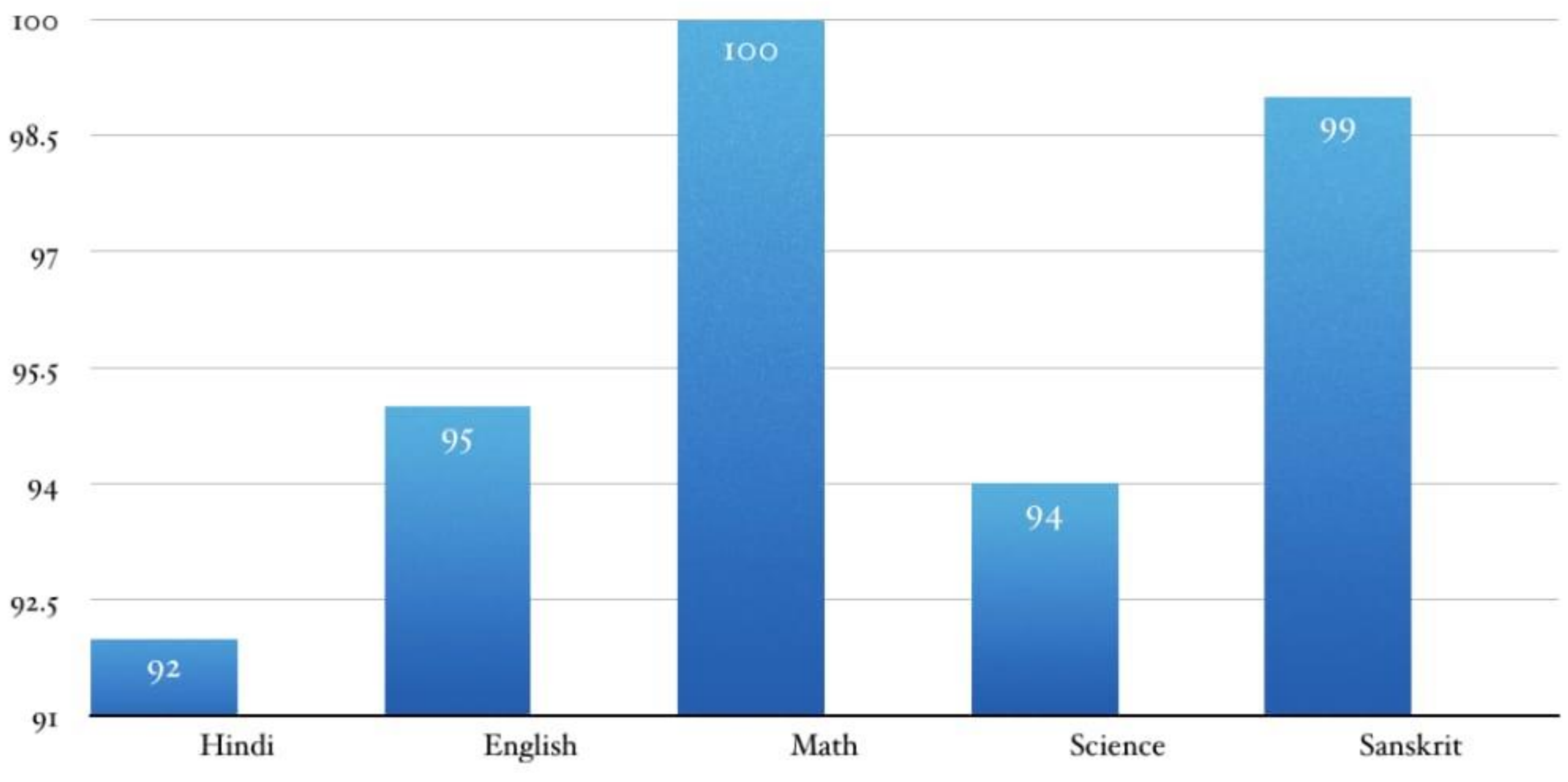

Scholar Badge Awards

Cultural competition

Name **Class**

Nitesh. - 8th 1st block level
Ragni. , (2nd district level)

Chahat. - 12th. 1st solo dance block level
(3rdin district level)

Parina and group dance - 11th 1st block level
(3rd in district level)

Fine Art painting competition

Tannu. - 12th 1st block level

Pooja. - 12th 1st district

Plantation

Tejvir - 11th

Vishal. - 9th

Science exhibition

Anand. - 12th. 1st

Sourav. - 9th 2nd

Sahil. - 10th 3rd

Nikhil. - 9th

Mohit. - 9th

Scholar Badge Awards

NMMS - Students

Name	Class
Anjali. -	8th
Sahil. -	8th

Buniyad Students

Name	Class
Anjali. -	8th
Sahil. -	8th
Ritika. -	8th
Mohit. -	8th
Nitesh. -	8th

Math Quiz

Name	Class
Anjai. -	8th
Sahil. -	8th
Bhagat Singh. -	8th

Preeti

Rikan
Disrict Topper

PM SHRI GSSS BHATOL KHARKARA स्कूल के 12वी क्लास के छात्र रिकन, प्रीति को हरियाणा में टॉप आने पर 12/08/2024 को माननीय CM महोदय के दवारा पंचकुला में सम्मानित किया गया। जहां पर रिकन को Rs.111000/- स्टेज पर ही ऑनलाइन ट्रांसफ़र किए गए।

Khushi

Kushi got first position in haryana kabaddi under 19 School games

Lakshay

Lakshay got third position in Wrestling Greco Roman style 72 kg

Dilkhush

Dilkhush Got Second position in Kho-Kho haryana school games

प्रवेश उत्सव

हवन

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदाऽऽत्मानं सृजाम्यहम्॥

STUDENT'S
AWARDS & ACHIEVEMENTS

Cultural

District Level Cultural - Fest

BLOCK LEVEL CULTURAL FEST-2023
BLOCK - BASS

ART

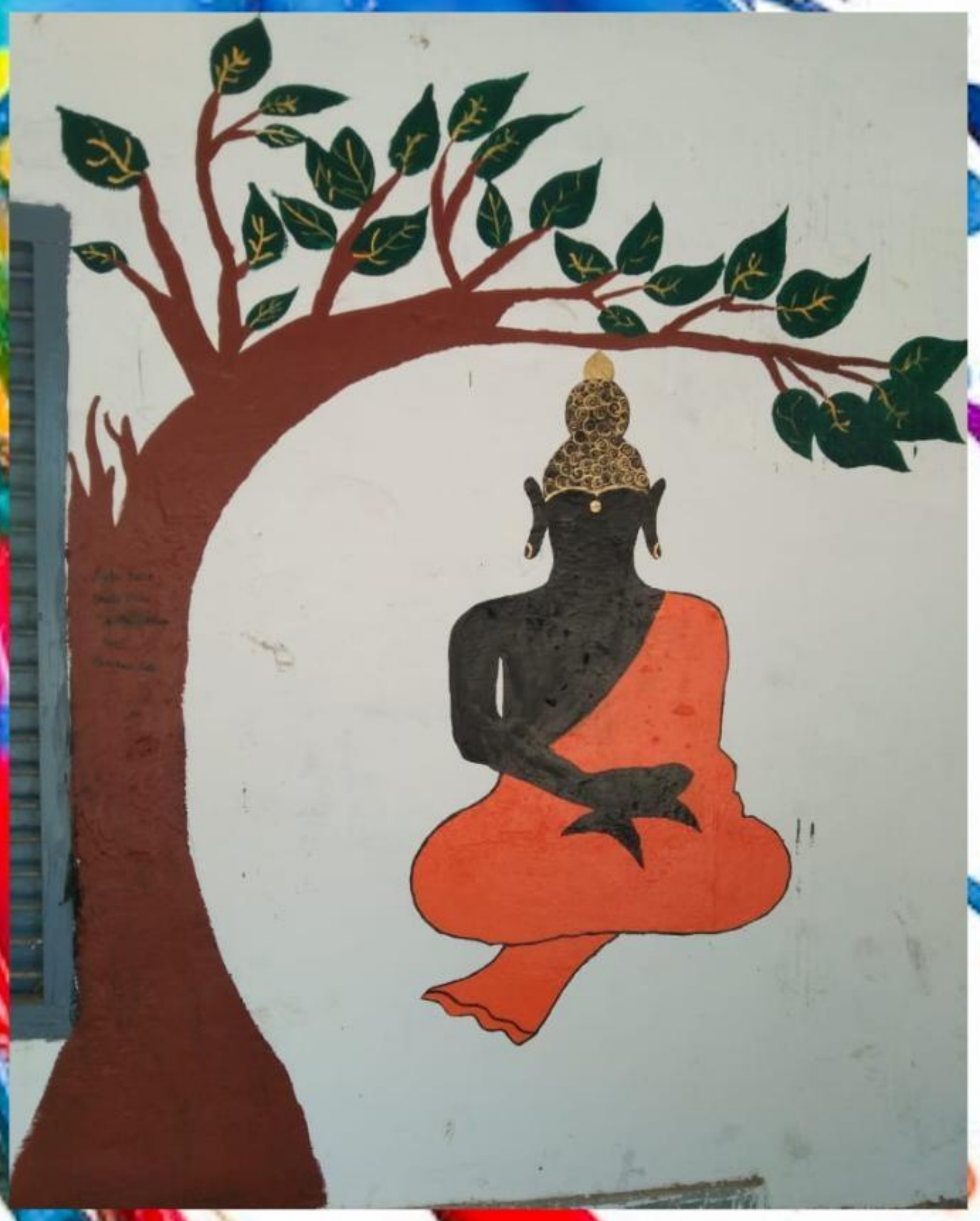

"NOT ME BUT YOU"

एनएसएस का दर्शन “नॉट मी बट यू” है, जो इस विश्वास पर आधारित है कि किसी व्यक्ति का कल्याण अंतत: पूरे समाज के कल्याण पर निर्भर करता है, National Service Scheme के अनुसार. एनएसएस स्वयंसेवक समाज के लोगों की भलाई के लिए प्रयास करते हैं और सामुदायिक सेवा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को विकसित करते हैं,

एनएसएस युवाओं के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। यह उन्हें: सामाजिक जागरूकता: समाज के विभिन्न मुद्दों के बारे में जानने और समझने का अवसर प्रदान करता है। व्यक्तित्व विकास: आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में मदद करता है। सामुदायिक भावना: दूसरों की मदद करने और समाज के लिए योगदान करने की भावना विकसित करता है। सामाजिक जिम्मेदारी: सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रेरित करता है।

एनएसएस एक ऐसी योजना है जो युवाओं को सशक्त बनाती है और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एनएसएस स्वयंसेवकों की मेहनत और समर्पण के कारण, हमारे समाज में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

SAHIL SHEORAN
NSS[Programme Officer]
PGT POLITICAL SCIENCE

NSS

राष्ट्रीय सेवा योजना
NATIONAL SERVICE SCHEME

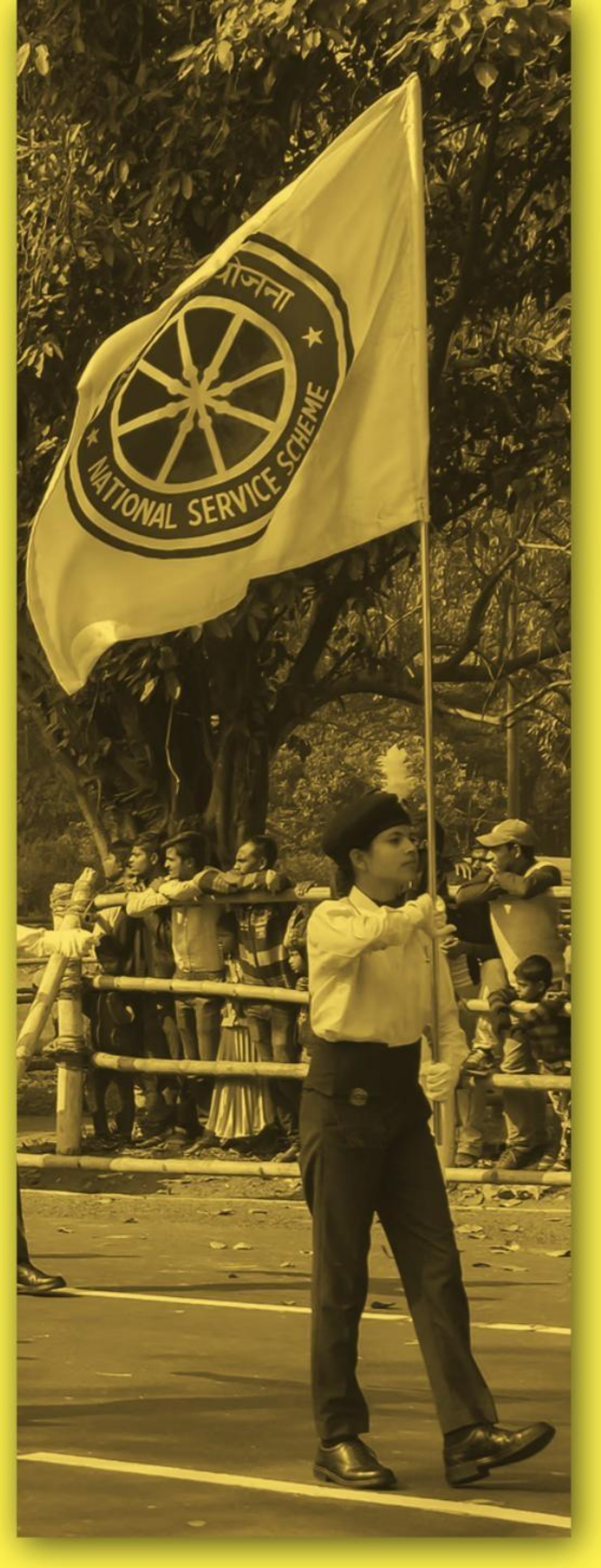

SPORTS

Science

विद्यालय स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी
कक्षा 6 से 12 दिनांक 5-9-2024
पी.एम.श्री रा.व.मा. विद्यालय
सातोल खरकड़ा हांसी-II
हिसार

Extra curricular activities

Annual Day Function
Teacher's Achivements & Awards

P. M. SHRI GOVT. SR. SEC. SCHOOL BHATOL KHARKARA
BLOCK HANSI-II, HISAR (1432)

धरोहर
हरियाणा संग्रहालय
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

P. M. SHRI GOVT. SR. SEC. SCHOOL
BLOCK HANSI-II, HISAR
Result (12th) 2023-24
Our Brilliant Shining

हिंदी

सौभाग्य उन्हीं को प्राप्त होता है
जो अपने कर्तव्य पथ पर अविचल
रहते हैं।

~ मुंशी प्रेमचंद

सम्पादकीय

प्रिय पाठकों,

नमस्कार!

हमें अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है कि आप हमारे विद्यालय की पत्रिका के हिंदी अनुभाग का अवलोकन करने जा रहे हैं। हिंदी केवल एक भाषा नहीं है, यह हमारी संस्कृति की आत्मा है, जो हमारी परंपराओं, भावनाओं और विचारों को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है।

इस पत्रिका के माध्यम से हमारे विद्यार्थियों ने अपने मनोभावों को शब्दों में पिरोकर जीवन के विविध रंगों को प्रस्तुत किया है। उनकी रचनाएँ न केवल उनकी कल्पनाशीलता का परिचय देती हैं, बल्कि उनकी चिंतन-शक्ति, संवेदनशीलता और समाज के प्रति जागरूक दृष्टिकोण को भी दर्शाती हैं। हर कविता, कहानी, लेख और निबंध के माध्यम से उन्होंने अपने मन की बात को उजागर किया है, जो पाठकों को नि:संदेह भाव-विभोर कर देगा।

हिंदी अनुभाग में शामिल सामग्री हमारी भाषा की समृद्धि और विद्यार्थियों की सृजनशीलता का प्रमाण है। हमें गर्व है कि हमारी युवा पीढ़ी हिंदी भाषा के प्रति प्रेम और आदर को आत्मसात कर रही है और अपनी अभिव्यक्तियों के माध्यम से इसे और भी समृद्ध कर रही है।

हमारा विश्वास है कि इस पत्रिका को पढ़ते समय आपको हर पंक्ति में एक नई प्रेरणा मिलेगी और हमारी भाषा की मधुरता आपके हृदय को स्पर्श करेगी। आपकी प्रतिक्रियाएँ और सुझाव हमारे लिए सदैव मूल्यवान रहेंगे।

आइए, मिलकर हिंदी भाषा के सौंदर्य और इसकी अभिव्यक्ति के अनमोल क्षणों का आनंद लें।

आशा सैनी
पी.जी.टी हिन्दी

पराठा

फुला फुला
आया पराठा
घी की चादर
लेके लपका राजा!

चटपटा आलू
गोभी की बातें
गरमा गरम सी
मुँह में समाती।

छन छन छनके
तवा बोला
मक्खन हँसा
बेलन डोला।

दही ने गाया
अचार मुसकाया
पराठे के संग
स्वाद महकाया!

सचिन
नोवीं

चाँद

धीरे धीरे
चढ़ा था चाँद
सफेद सफेद सा
जैसे रुई का ग़ाज़।

तारों ने बोला
"भाई तू राजा!"
रात ने ओढ़ा
तेरा उजाला साजा।

चाँदनी हँसी
धीरे से बिखरी
धरती बोली
"क्या बात है! ऐसी प्यारी दिखती।"

योगेश
दसवीं

मिठाई

घूमी घूमी
आई मिठाई
रसगुल्ले बोले
हम हैं भाई!

गुलाब जामुन
झट से लुड़काया
रस से टपका
मुंह तक आया।

लड्डू बोला
"मैं शादी का राजा!"
बरफी बोली
"मैं तो सबकी प्यारी साजा।"

जलेबी घूमी
घूम के हँसी
चाशनी में डूबी
मुँह में घुली खुशी।

मीठा मीठा
हर दिल को भाया
मिठाई ने सबका
दिल ललचाया!

सुनील
बॉरहवीं

"माटी का मन्त्र – भारत"

माटी की सौंधी ख़ुशबू में,
सदियों की गाथाएँ हैं,
हर पत्थर, हर बूँद कहे –
"मैं भारत की छाया हूँ।"

गंगा की धारा बोली है,
"मैं जीवन की रेखा हूँ,"
हिमगिरि की चोटी चिल्लाई –
"मैं स्वाभिमान की लेखा हूँ।"

धूप में तपे हैं सैनिक जो,
सीना तान खड़े रहते हैं,
धड़कन बनके, तिरंगे संग,
हर सरहद पे बहते हैं।

चूल्हे की आग, माँ की दुआ,
बचपन की वो गलियाँ,
सब कुछ मिल के कहते हैं –
"भारत मेरी क़लियाँ।"

ना जात, ना पंथ की भाषा,
ना सीमा की दीवार,
एक धड़कन, एक जुनून –
मेरा भारत, मेरा प्यार।

अन्नू
दसवीं सी

"माता-पिता का आँगन

माँ की गोद में पहली हँसी,
उसके आँचल में सुकून बसा,
भूखी रहकर भी थाली भरी,
हर दिन उसका प्रेम खिला।

पिता की ऊँगली से चला,
पहला क़दम, पहला हौसला,
माथे की लकीरों में देखा,
सपनों का हर एक फसाना लिखा।

माँ चुप रही, दुआ बन गई,
पिता छांव बना, ढाल बना,
दोनों ही जैसे मंदिर मेरे –
माँ सागर, पिता आसमां बना।

स्नेहा
दसवीं सी

"अनुशासन की राह"

जो सुबह समय से जागता है,
वो जीवन से ना हारता है।
हर दिन की रीत सिखाती है,
सच्चा पथ वही अपनाता है।

ना ढील, ना बहाने हों,
बस कर्म के बहाव में रहना,
अनुशासन वो दीपक है,
जो अंधेरे में भी है चमकना।

मन को बाँध, लक्ष्य पे चलना,
ये रस्ता कठिन ज़रूर सही,
पर जो इसे जीवन बना ले,
वो ही बनता मिसाल कभी।

भावना
बाहरवीं ए

"संभाल लो प्रकृति की शान"

पेड़ों की छांव में मिलती है,
धरती को राहत की सांस,
हर डाली, हर पत्ता कहता –
"मुझसे ही है जीवन का राग।"

पानी बहे तो जीवन बहे,
बिना इसके सब सुनसान,
एक-एक बूँद में छिपा है,
धरती माँ का वरदान।

हवा है साँसों की साथी,
शुद्ध रहे तो जीवन प्यारा,
वरना धुएँ की चादर में,
घुटता है हर नज़ारा।

मत काटो जंगल बेपरवाह,
मत बहाओ पानी यूँ बेकार,
संभालो इस धरोहर को,
वरना चुकानी होगी भारी हार।

आज बचाओ पेड़, हवा, पानी,
कल यही बचाएंगे ज़िंदगानी।
प्रकृति नहीं माँगेगी कुछ भी,
बस थोड़ी सी समझदारी।

रोहित
नौवी

लक्ष्य:

जीवन का हर पथिक चलता है,
अपने मन में एक लक्ष्य लिए।
कभी छोटा, कभी बड़ा दिखता,
पर बढ़ने की देता है प्रेरणा नए।
लक्ष्य ही देता दिशा जीवन को,
भरता है उत्साह हर क्षण को।
राह में आए कितनी बाधाएं,
लक्ष्य स्मरण से मिलती हैं राहें।
दृढ़ निश्चय से जो चलते हैं,
लक्ष्य को अपने पाते हैं।
भटकाव से डरना नहीं कभी,
लक्ष्य ही मंजिल तक ले जाता सही।

नेहा
बारहवी

शिक्षक:

ज्ञान की ज्योति जलाते शिक्षक,
राहों को रोशन करते शिक्षक।
अज्ञान का अंधकार मिटाते,
जीवन का अर्थ समझाते शिक्षक।
हर छात्र के मन में विश्वास जगाते,
सपनों को नई उड़ान दिलाते।
अनुभव की पूंजी लुटाते निस्वार्थ,
भविष्य का निर्माण कराते शिक्षक।

उमंग
नौवीं

पहेली 1:

ना मैं जानवर, ना आदमी,
पर हर घर में रहता हूँ।
कभी नीला, कभी लाल दिखता,
बटन दबाते ही बोलता हूँ।
बताओ तो भला, मैं कौन हूँ?

उत्तर: टीवी (टेलीविज़न)

पहेली 2:

ना पैर हैं, ना चलता हूँ,
फिर भी हर ओर मैं चलता हूँ।
समय बताने का है मेरा काम,
घर की दीवारों पर मेरा नाम।

उत्तर: घड़ी

पहेली 3:

छोटा सा मुँह, पर बात बड़ी,
हर गली में मेरी गूंज पड़ी।
कभी सन्नाटा, कभी धमाल,
भीतर रखो तो बने कमाल।

उत्तर: मोबाइल फ़ो

मस्कान
बारहवीं

"सूर्यास्त और सूर्योदय"

सूर्यास्त जब ढलता है, एक सुकून सा लाता है,
थके हुए मन को अपनी लालिमा से सहलाता है।
आसमान में बिखरे रंग जैसे किसी चित्रकार की बात,
हर शाम कहती है – "हर अंत के पीछे है शुरुआत।"

पंछी लौटते हैं घर को, पेड़ भी चुप हो जाते हैं,
धूप की जगह अब चाँदनी धीरे-धीरे छा जाती है।
सूर्यास्त सिखाता है – "छोड़ना भी एक कला है,"
"कल फिर आऊँगा", यही उसकी सबसे प्यारी अदा है।

फिर कहीं दूर से, धीरे-धीरे रौशनी चुपके आती है,
अंधेरे को चीर कर, सूर्योदय मुस्कान लाती है।
नए ख्वाब, नई उम्मीदें, नई ताजगी का अहसास,
हर सुबह कहती है – "अब जाग, ये है तेरा समय खास।"

सूर्योदय है साहस की मिसाल, और सूर्यास्त है शांति का गीत,
एक सिखाता है आगे बढ़ना, दूसरा कहता है – "अब विश्राम भी जीत।"
जीवन भी कुछ ऐसा ही है, इन दो पहरों के बीच बसा,
हर दिन एक संघर्ष है, हर रात एक सपना अधूरा सा।

समीर
दसवीं

"मीठे बोल"

मीठे बोल हों होंठों पर, तो दिल अपने आप जुड़ जाए,
कड़वाहट से रिश्ते टूटें, मिठास से दुनिया जुड़ जाए।

बात वही, लहजा बदल दो,
क्रोध को थोड़ा सह लो।
जो कहना है, प्यार से कहो,
क्योंकि ज़ुबान भी एक दर्पण है – सच ही कहो।

ना धन चाहिए, ना उपहार,
एक मीठा बोल बना दे संसार।
घाव भर दे वो जो शब्दों से,
वरना शब्द भी बन जाएं हथियार।

तो चलो, मीठा बोलें, प्रेम से बोलें,
राह में भी मुस्कान खोलें।
क्या पता, किसी टूटे मन को,
तेरे बोल से साँसें मिल जाएं।

आरती
आठवीं

छोटे से हाथों में सपना थामे,
उड़ने को हर दिन तैयार रही,
हर मुस्कान के पीछे था साया,
क्योंकि मैं पापा की परी रही।

घुटनों से चलना सिखाया जिसने,
पहला क़दम थामा था हाथ से,
जब दुनिया डराती थी चेहरा,
तो छुप जाती थी उनकी बात से।

नन्ही बातों पर हँसते थे वो,
हर आँसू को मोती कहते थे,
मैं जो गिरी तो वो भी टूटे ,
पर कभी ना खुद को कमजोर कहते थे।

अब बड़ी हो गई हूँ शायद,
पर उनके लिए तो वही गुड़िया हूँ,
दुनिया चाहे जो कहे मुझे,
उनकी आँखों में आज भी परी हूँ।

सोनाक्षी
सातवीं

"बेस्ट फ्रेंड"

ना कोई रक़म, ना कोई सौदा,
बस दिल से जुड़ा ये रिश्ता हमारा।
तू नहीं तो जैसे अधूरी ज़िंदगी,
तेरी हँसी में ही बसती है खुशी हमारी।

हर उलझन में सबसे पहले तू याद आए,
तेरे एक मज़ाक से आँखों में आँसू भी मुस्कान पाए।
झगड़े भी हुए, पर दूरी कभी नहीं आई,
क्योंकि तू सिर्फ दोस्त नहीं – रूह की परछाई है भाई।

जब सबने छोड़ा, तू ही साथ था,
तेरे शब्द नहीं, तेरा होना ही खास था।
हर याद तेरे साथ जुड़ी है,
बचपन से लेकर आज तक – तेरे बिना कहानी अधूरी है।

साथ चले हैं, चलेंगे उम्र भर,
क्योंकि तू नहीं सिर्फ बेस्ट फ्रेंड – तू तो अपना ही घर।

दीपेश
ग्यारहवी

"बाल श्रम रोको "

कोमल हाथ, न काम करें,
स्कूल जाएं, आराम करें।
बचपन अनमोल, न हो बेकार,
शिक्षा से बने भविष्य साकार।

ज़रूर, एक और छोटा पैरा:
हर बच्चा पढ़ेगा, बढ़ेगा आगे,
ज्ञान की ज्योति से जागेगा।
बाल श्रम मिटेगा, खुशहाल होगा देश,
यही हमारा संकल्प, यही संदेश।

मनप्रीत
सातवीं

सफलता

चल पड़ा जो राह पर, मंज़िल उसी की होती है,
जो थमे नहीं आँधियों में, जीत उसी की होती है।
हर गिरावट में सबक है, हर दर्द में है रोशनी ,
जो उठ खड़ा हो बार-बार, किस्मत उसी की होती है।

रातें कहेंगी तू हार गया, सवेरा बोलेगा चल,
जिनकी आँखों में सपना जले, उनके हाथों में कल।
पसीने की बूंदें जब इरादों से मिलती हैं,
तब जाकर कामयाबी की चूड़ियाँ खनकती हैं।

लोग कहेंगे — "नहीं होगा," तू मुस्कुरा के कहना,
"मैं रास्ता हूँ खुद का, और मैं ही अपना गगन हूँ।"
सिर्फ़ मंज़िल नहीं, सफ़र में भी इज़्ज़त चाहिए,
हर क़दम पे मेहनत हो, तब जाकर हक़दारी आए।

मत डर विफलता से, ये तेरी गुरु बनेगी,
हर चोट तुझे, नया रूप रंग देगी।
जो चमकता है अँधेरे में, वही सितारा कहलाता है,
जो जले बिना घबरा जाए, वो दीपक बुझ जाता है।

प्रीति
बारहवी 2023-2024

श्रम का महत्व

श्रम अर्थात् परिश्रम — वही जो किसी साधारण मनुष्य को भी महान बना देता है। जीवन में सफलता पाने का सबसे सच्चा मार्ग मेहनत और लगन से होकर ही जाता है।

जो व्यक्ति अपने हाथों से काम करता है, वह आत्मनिर्भर बनता है। श्रम न केवल तन को मजबूत करता है, बल्कि मन को भी अनुशासित और आत्मविश्वासी बनाता है। इतिहास गवाह है — महात्मा गांधी से लेकर अब्दुल कलाम तक, हर महान व्यक्तित्व ने मेहनत को ही अपना धर्म माना।

श्रम से कोई कार्य असंभव नहीं रहता। चाहे खेत में किसान हो या प्रयोगशाला में वैज्ञानिक — बिना मेहनत के कोई फल नहीं मिलता। इसी कारण, श्रम को पूजा के समान माना गया है।

हमें कभी भी श्रम से शर्म नहीं करनी चाहिए। श्रम का सम्मान करना, वास्तव में मानवता का सम्मान करना है।

रिकन
बारहवी 2023-2024

यह सरकारी स्कूल के बच्चे
क्यों होते हैं इतने अच्छे।
पानी माँगू तो जग ले आते हैं।
पैर छूने के लिए दौड़ लगाते हैं।
एक कागज़ माँगू तो कॉपी फाड़ लाते हैं।
टीचर के काम के लिए होड़ लगाते हैं।
आगे पीछे घूम के शोर मचाते हैं।
मासूम से यह बच्चे दिल जीत जाते हैं।
घर से गरीब हैं पर मन के अमीर हैं।
ऐसा लगता है केवल इनके पास ही जमीर है।
मारो या डांटो तो दिल से ना लगाते हैं।
थोड़ा सा पुचकारों तो खूब ये शरमाते हैं।
दिल को एक सुकून है भगवान ने ये दिन दिखाया है,
खुशकिस्मत हूँ मुझे भगवान ने शिक्षक बनाया है।

Shri. Satish Kumar
TGT SST

Shrimati. Sushila
PGT Chemistry

एक छोटे से शहर में एक स्कूल था, जहां दो शिक्षक थे - एक मानव शिक्षक और एक एआई शिक्षक। मानव शिक्षक का नाम था श्री शर्मा और एआई शिक्षक का नाम था रोबो।

श्री शर्मा एक अनुभवी शिक्षक थे जो छात्रों को विज्ञान की अवधारणाओं को समझाने में माहिर थे। वह छात्रों के साथ व्यक्तिगत रूप से जुड़ सकते थे और उनकी जरूरतों को समझ सकते थे।

रोबो एक उन्नत एआई शिक्षक था जो विज्ञान की सभी अवधारणाओं का ज्ञान रखता था। वह छात्रों को व्यक्तिगत शिक्षण प्रदान कर सकता था और उनकी प्रगति को ट्रैक कर सकता था।

एक दिन, दोनों शिक्षकों को एक ही कक्षा को पढ़ाने का अवसर मिला। श्री शर्मा ने छात्रों को विज्ञान की अवधारणाओं को समझाने के लिए अपने अनुभव और व्यक्तिगत दृष्टिकोण का उपयोग किया। रोबो ने छात्रों को विज्ञान की अवधारणाओं को समझाने के लिए अपने एल्गोरिदम और डेटा का उपयोग किया।

छात्रों ने दोनों शिक्षकों से सीखा और जल्द ही उन्होंने देखा कि दोनों शिक्षकों के अपने फायदे और नुकसान थे। श्री शर्मा ने उन्हें विज्ञान की अवधारणाओं को गहराई से समझने में मदद की और उन्हें व्यक्तिगत समर्थन प्रदान किया। रोबो ने उन्हें विज्ञान की अवधारणाओं को तेजी से और कुशलता से समझने में मदद की और उन्हें व्यक्तिगत प्रतिक्रिया प्रदान की।

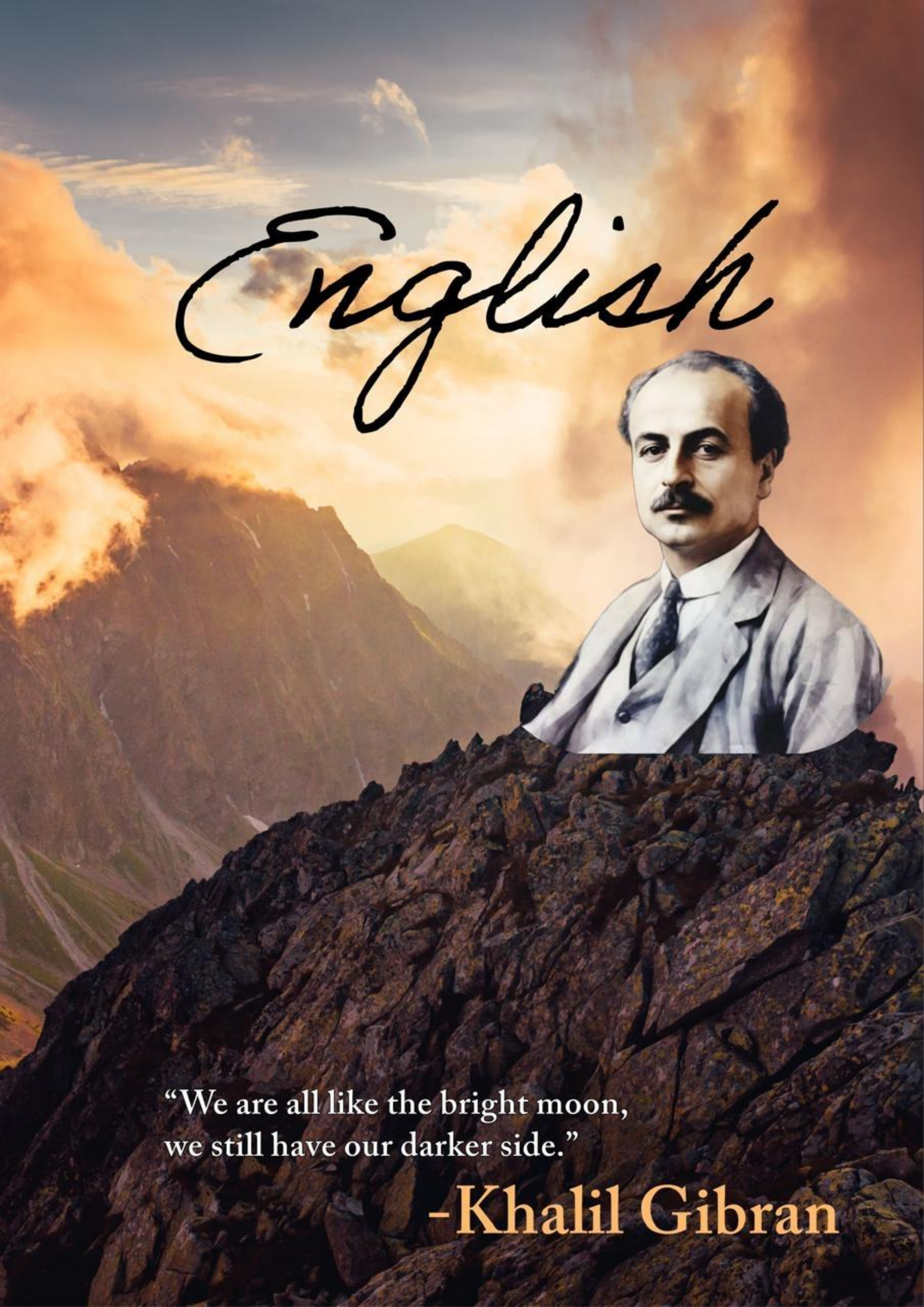
English
“We are all like the bright moon,
we still have our darker side.”
-Khalil Gibran

Self Confidence

Self-confidence is like a guiding light that helps us navigate through life's challenges. It's the belief in our abilities and worth that drives us to pursue our goals despite setbacks. With self-confidence, we stand tall against doubts and fears, embracing opportunities with courage. It's the foundation of resilience, empowering us to bounce back from failures stronger than before. Cultivating self- confidence requires acknowledging our strengths, accepting our flaws, and believing in our potential. When we trust ourselves, we inspire others and create a positive ripple effect in our lives and communities.

Dr. Neeru Bala
PGT ENGLISH

Colours

Orange is a carrot
Yellow is a pear
Green is the grass
And brown is a bear
Purple is a plum
Blue is the sky
Black is the sky
Black is witch's hat
And red is cherry pie.

Nitesh
9th

Money

A crisp new note, a jingling, ancient coin,
A symbol potent, where desires join.
It fuels the market, greases every trade,
A measure of the value we have made.

It builds great empires, funds the grand design,
And carves the borders, yours and also mine.
It feeds the hungry, shelters from the storm,
And keeps the wheels of industry so warm.

Yet in its absence, hardship can reside,
A silent struggle, nowhere left to hide.
It can corrupt the soul, ignite the greed,
And plant the bitter, avaricious seed.

Kavita
12th

Happiness

A sunbeam dancing on a dusty floor,
A gentle breeze that whispers at the door.
A robin's song at break of early light,
These tiny joys can make the spirit bright.

It isn't found in treasures, gold, or fame,
Nor whispered praise, nor loudly spoken name.
But in the quiet moments, soft and deep,
A promise that the heart can truly keep.

The laughter shared with someone held so dear,
A comforting hand that wipes away a tear.
The simple act of kindness, freely given,
A sense of peace, a spirit heaven-driven.

The bloom that bursts in unexpected hue,
The world observed with wonder, fresh and new.
The strength discovered when the path is hard,
A quiet triumph, a well-deserved reward.

It's not a constant, ever-present gleam,
But fleeting glimpses of a waking dream.

Bhagat singh
8th

Facts about Indian Cricket

* World Cup Wins:
  * India is the only country to have won the ICC Cricket World Cup in 60-over (1983), 50-over (2011), and 20-over (2007, and 2024) formats.
* Cricket's Early Arrival:
  * Cricket was introduced to India by British sailors in the early 1700s, with the first recorded match played in 1721.
* The "God of Cricket" Debut:
  * Sachin Tendulkar, often referred to as the "God of Cricket," made his international debut at the age of 16.
* Record Breaking Stadium:
  * The Narendra Modi Stadium in Ahmedabad is the largest cricket stadium in the world, with a seating capacity of over 132,000.
* First Test Match:
  * India played its first test match in 1932, at Lords cricket ground in England.
* Maiden Overs Record:
  * Indian Cricketer Ramakant Desai Nadkarni holds a record for bowling 21 straight maiden overs, in a test match against England in 1964.

Vijeta
12th

School Life

The school bell rings, a joyful sound,
As eager feet on hallowed ground
Begin the day, with spirits bright,
To chase the wonders of the light.

The classroom waits, a world untold,
Where stories bloom and knowledge bold
Is shared with chalk and whispered word,
A tapestry of voices heard.

The lessons learned, both big and small,
From history's page to nature's call.
The sums we solve, the poems we read,
Planting the seeds of thought and deed.

The friendships forged in laughter's gleam,
Shared secrets whispered, like a dream.
The games we play on dusty fields,
Where youthful energy never yields.

The nervous jitters of a test,
The triumph felt when efforts blessed.
The guidance offered, kind and true,
Helping us learn and see things through.

Khushi
12th

Don’t Quit

The human journey is rarely a smooth, upward trajectory. It is often marked by stumbles, setbacks, and moments where the path ahead seems impossibly steep and shrouded in fog. In these trying times, a simple yet profoundly powerful mantra emerges: "Don't quit." These two words, often whispered in moments of despair or shouted as a rallying cry, encapsulate a vital principle for navigating life's inevitable challenges and ultimately achieving meaningful goals.

The temptation to quit is a powerful force. When faced with persistent obstacles, the allure of abandoning the struggle can be incredibly strong. Doubt creeps in, whispering insidious suggestions of inadequacy or the futility of effort. The immediate relief of ceasing the arduous task can seem like a welcome respite from the pain of perseverance. However, succumbing to this temptation often leads to a deeper, more lasting regret – the regret of what might have been, the potential left unrealized.

History is replete with examples of individuals who faced seemingly insurmountable odds yet ultimately triumphed through sheer tenacity. Thomas Edison's countless failed attempts before perfecting the light bulb, Abraham Lincoln's numerous political defeats before becoming president, and the Wright brothers' persistent experimentation before achieving flight all stand as testaments to the power of not giving up. Their stories remind us that failure is not the opposite of success; it is often a crucial stepping stone along its path. Each setback provides valuable lessons, hones our resilience, and clarifies our vision.

Manpreet
7th

Life

A fragile spark, a breath so light,
A sunrise painted, fading into night.
A winding path, with stones both smooth and rough,
A whispered hope, a love that's strong enough.

Through sunlit meadows, laughter takes its flight,
And shadowed valleys where tears blur the sight.
A tapestry woven, thread by thread so fine,
With joys and sorrows, intricately combine.

A fleeting moment, precious and so brief,
A reaching hand, a comforting relief.
A lesson learned with every fall and rise,
A wisdom etched within our searching eyes.

The echoes linger of the words we've said,
The imprints left upon the lives we've led.
A constant changing, flowing like a stream,
A vibrant dance, a half-forgotten dream.

Priya
12th

Our India

Ah, India, where vibrant hues ignite,
A tapestry of cultures, day and night.
From snow-capped peaks where Himalayas stand,
To sun-kissed shores on golden, shifting sand.

The Ganges flows, a mother's gentle grace,
Through ancient lands, a sacred, timeless space.
The bustling markets, scents and sounds collide,
A symphony of life, with naught to hide.

From Kashmir's vales to Kerala's verdant green,
A thousand tongues, a beauty yet unseen
By those who only glimpse the surface bright,
Ignoring depths of wisdom, dark and light.

The spirit strong, in faces etched with time,
A resilience born, a love that knows no clime.
Though challenges arise, and shadows play,
The heart of India finds a brighter way.

So let us celebrate this land so grand,
A vibrant jewel held in history's hand.
Our India, proud, diverse, forever free,
A beacon shining for the world to see.

Krish
10th

Riddles

Q: What has cities, but no houses; forests, but no trees; and water, but no fish?
A: A map.
Q: What has an eye, but cannot see?
A: A needle.
Q: What is full of holes but still holds water?
A: A sponge.
Q: What question can you never answer yes to?
A: Are you asleep yet?
Q: What has to be broken before you can use it?
A: An egg.
Q: What is always in front of you but can't be seen?
A: The future.
Q: What has one head, one foot, and four legs, but can't walk?
A: A bed.
Q: What has an neck without a head?
A: A bottle.
Q: What has words, but never speaks?
A: A book.
Q: What runs around the whole yard without moving?
A: A fence.

Sourav
10th

संस्कृत
न चौरहार्यं न च राजहार्य,
न भ्रातृभाज्यं न च
भारकारि । व्यये कृते
वर्द्धत एव नित्यं, विद्याधनं
सर्वधनप्रधानम् ॥

संस्कृतवाणी - ज्ञानस्य स्रोतः

संस्कृतम् — "सम्यक् कृतम्" इति।
सा भाषा न केवलं विश्वस्य प्राचीनतमभाषासु एकम् अस्ति, अपि तु "देवभाषा" इति अपि प्रसिद्धा अस्ति।
संस्कृते प्रत्येकः शब्दः, ध्वनिः च व्याकरणनियमः च वैज्ञानिकतया परिपूर्णः अस्ति।
एषा भाषा ज्ञान-विज्ञान-गणित-ज्योतिष-चिकित्सा-योग-साहित्य-दर्शनानां च मूलस्रोतः अभवत्।
संस्कृतवाण्यां सृष्टेः अद्भुतं स्वरूपं प्रतिफलति —
यत्र उच्चारणं स्वयं ध्यानरूपं भवति, वाणी च साधनारूपा।

वाचं हि सत्यां मधुरां ब्रवीतु। न ब्रूयात्सत्यं यदि न प्रियं स्यात्।
प्रियं च नानृतमप्युपदिष्ट, वाणी हि साधूनां गुणेन शोभते॥

वाणी रसात् सतां हृदि स्थिता या, सा सम्पदां मूलमिति प्रचक्षते।
न केवलं शब्दजलं हि वाणी, सा जीवनं धर्मपथेऽवगाहिता॥

शब्दः सदा पथ्यतमः सुसंस्कृतः, वाणी सदा साधुजनैः विमृश्यते।
वागर्थयोः संप्रदयं हि जीवनं, वाणी तु धर्मस्य मुखं प्रकीर्त्यते॥

विद्या ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति, धनात् धर्मं ततः सुखम्॥

सत्यं ब्रूयात्प्रियं ब्रूयान्न ब्रूयात्सत्यं अप्रियम्।
प्रियं च नानृतं ब्रूयादेष धर्मः सनातनः॥

गुरोः किञ्चिदपि वाक्यं न अवज्ञेयं कदाचन।
स्वर्णसूत्रेण बद्धानि मौक्तिकानि न शोभते॥

"संस्कृतं जीवनस्य स्वरः अस्ति।"

मुकेश
प्रवक्ता संस्कृत

सदाचारस्य महत्वम्

सदाचारः मनुष्यस्य जीवनस्य मूलाधारः अस्ति। यः पुरुषः सदाचरणं करोति, सः समाजे आदरणीयः भवति। सदाचारः नैतिकता, सत्यवादिता, करुणा, क्षमा, शीलता च इत्यादीनां समुच्चयः अस्ति। एते गुणाः मानवसमाजं सुसंस्कृतं कुर्वन्ति।

सदाचारेण जीवनं सुखमयम् अस्ति। असदाचारी जनाः आत्मसम्मानं न लभन्ते, किन्तु सदाचारी जनाः सर्वत्र सम्मानं प्राप्नुवन्ति। विद्यालये, गुरवः अपि सदाचारयुक्तं शिष्यं प्रियं मन्यन्ते। पितरौ अपि स्वसुतं सदाचरणशीलं द्रष्टुं इच्छतः।

सदाचारः केवलं बाह्यव्यवहारः न अस्ति, अपितु अन्तःकरणस्य शुद्धता अपि अस्ति। यः पुरुषः अन्तःकरणतः शुद्धः भवति, सः सर्वेषां हृदयेषु स्थानं लभते। यत्र सदाचारः तत्र धर्मः, तत्र संयमः, तत्र शान्तिः च।

अतः अस्माभिः सर्वैः सदाचारं पालनं कर्तव्यम्। एषः एव समाजस्य उन्नतेः मार्गः अस्ति। यदि सर्वे जनाः सदाचरणं कुर्युः, तर्हि विश्वं स्वर्गसमं भवेत्। सदाचारः एव धर्मस्य, शिक्षायाः, संस्कृतेः च मूलं अस्ति।

रविपाल
बारहवीं

संस्कृतभाषायाः महत्वम्

संस्कृतम् भारते जन्मभूता भाषा अस्ति। एषा भाषा अत्यन्तं प्राचीनतमः, वैज्ञानिकतया समृद्धा च अस्ति। संस्कृतं भाषा न केवलं संवादस्य साधनं, अपितु सांस्कृतिकं, धार्मिकं, नैतिकं च ज्ञानं वहति।

संस्कृतभाषायां वेदाः, उपनिषत्, पुराणानि, रामायणं, महाभारतम्, भगवद्गीता च लिखितानि सन्ति। एते ग्रन्थाः मानवजीवनस्य समस्त पक्षान् दर्शयन्ति। तत्र धर्मः, नीति, काव्यं, व्याकरणं, तर्कः, विज्ञानं च अपि विस्तृतरूपेण प्रतिपादितम्।

संस्कृत

संस्कृतम् अत्यन्तं नियमबद्धा भाषा अस्ति। अस्य व्याकरणं महर्षिणा पाणिनिना रचितं "अष्टाध्यायी" इति सुप्रसिद्धग्रन्थेन सुगठितं कृतम्। एषा भाषा कम्प्यूटरभाषासु सर्वोत्तमा इति बहवः वैज्ञानिकाः अपि मन्यन्ते।

संस्कृतभाषा न केवलं धार्मिकभाषा, अपि तु जीवितं शिक्षां च ददाति। एषा भाषा मनःशुद्धिं, चिन्तनशक्तिं, आत्मज्ञानं च विकासयति। संस्कृतपाठेन छात्राः शुद्धं उच्चारणं, स्पष्टं भाषणं च शिक्षन्ते।

भारते एव न केवलं, अपि तु विदेशेषु अपि संस्कृतभाषायाः पाठनं शिक्षणं च प्रचलति। केचन विश्वविद्यालयाः संस्कृतभाषायाः अध्ययनं गवेषणं च कुर्वन्ति।

अतः अस्माभिः सर्वैः संस्कृतभाषायाः अध्ययनं कर्तव्यम्। एषा भाषा अस्माकं सांस्कृतिकं गौरवम् अस्ति। संस्कृतं जानाति सः भारतस्य समूलज्ञानं जानाति।

समित
दसवीं

अमूल्यवचनानि

सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात्,
न ब्रूयात् सत्यमप्रियम्।
वचनेन हि सज्जनानां,
हृदयं हर्षमाप्नुयात्॥1॥

वाणीं संयम्य जीवनं,
शोभते धर्मसङ्गिणम्।
कटुवाक्यं न वक्तव्यं,
येन चित्तं क्लिश्यते॥2॥

अमूल्यं हि तद्वचनं,
यत्र स्नेहः प्रसन्नता।
येन मन्ये समृद्धिं यान्ति,
शान्तिं लभन्ति साधवः॥3॥

वाक्यं युक्तं विनयेन,
सदा दीप इव ज्वलति।
तद्वचो हि अमूल्यं स्यात्,
येन सन्देशः शुभः सदा॥4॥

जतिन
आठवीं

गुरोः स्तुतिः

गुरुः माता गुरुः पिता,
गुरुः देवः न संशयः।
ज्ञानदीपं प्रज्वलयति,
अन्धकारं निवारयति॥1॥

यः शिष्यं नैव केवलं,
पाठयेत्तु ग्रन्थतः।
अपि तु जीवनमार्गे,
नयति सत्त्वपथेन च॥2॥

सः करुणासिन्धुरेव,
दण्डेन न ताडयति।
प्रेम्णा शिक्षां प्रदत्ते,
चित्तं निर्मलयत्यपि॥3॥

गुरोः कृपया लभ्यते,
विद्या धनं च निर्मलम्।
या न चोरैः ह्रियते,
न च नाशं गता कदा॥4॥

रोहित
नौवीं

हरियाणायाः गौरवगाथा

भारतभूमेः उत्तरे एका धरित्री अस्ति या केवलं कृषिभूमिर्न भवति, अपि तु वीराणां जन्मभूमिः, धर्मस्य रक्षकभूमिः, संस्कृतेः पालिका च अस्ति—सा एव हरियाणाराज्यम्।

एषा भूमिः या महाभारते धर्मयुद्धस्य साक्षिणी अभवत्। कुरुक्षेत्रे गाङ्गेयः भीष्मः शरशय्यायां स्थितः, धनञ्जयः मोहवशं गतः, तदा श्रीकृष्णः भगवद्गीतां दत्तवान्—सर्वं हरियाणायाः पावनमृत्तिकायामेव जातम्।

हरियाणायाः नराणां शौर्यं कीर्तनीयम्। अत्र वीरः पृथ्वीराज चौहानः, जिनस्य हस्ते शब्दभेदी बाणः भवति। अत्र तया भूमिः या तुष्टाव विक्रमादित्यस्य धर्मपरायणं राज्यं।

हरियाणायाः कर्षकाः न केवलं अन्नदाताः भवन्ति, किन्तु धर्मरक्षका अपि। अस्य राज्यस्य ग्राम्यजीवनं बलिष्ठं, सरलं, स्वाभिमानयुक्तं च अस्ति।

हरियाणा न केवलं एकं राज्यं, अपि तु एकं भावः, एकं तेजः, एकं आत्मसम्मानस्य प्रतीकः अस्ति। या भूमि स्वर्णकणिकाभूतं भारतस्य मुकुटम्।

अंकित
दसवीं

छात्रजीवनम्

मानवस्य जीवनं छात्रजीवनं अत्यन्तं महत्वपूर्णः कालः अस्ति। एषः कालः केवलं अध्ययनस्य न भवति, अपितु व्यक्तित्वविकासस्य, सदाचारस्य, चिन्तनशक्तेः च विकासस्य समयः अपि अस्ति। एषः एव कालः: यः नूतनं शिक्षितुं, स्वतन्त्रं दृष्टिं, भविष्यस्य आधारं स्थापयितुं च उपयुक्तः भवति।

अस्मिन्नेव काले अनुशासनस्य, समयस्य सदुपयोगस्य, धैर्यस्य च स्वीकारः अस्ति। छात्रः एतं कालं सम्यक् प्रकारेण योजनया यः जीवनस्य सर्वेभ्यः क्षेत्रेभ्यः सफलः भवति। पुस्तकस्यः सः क्रियायाः, नीतिक्षेत्रेः संस्काराणां च महत्वं अपि अस्ति।

छात्रजीवनं केवलं परीक्षायाः उत्तीर्णत्वं न अस्ति,
अपितु एषः एव कालः यः मनुष्यं दृढं, विवेकी, उत्तरदायीं च करोति।
अतः प्रत्येकः छात्रः एतं अमूल्यकालं व्यर्थं न यापयेत्,
अपि तु तं सम्यक् प्रकारेण उपयोगयेत।

Mrs . Roshni
T.G.T. Sanskrit

"कला और शिल्प"

कला और शिल्प रंगों से सजी कहानी है, हर रूप में वो जानी है।
कभी चित्र बन कर बोलती है, कभी मिट्टी से खिलती है।

कागज़, कपड़ा, लकड़ी, धागा, सबमें बसी उसकी अभिलाषा।
हाथों की मेहनत, मन की उड़ान, कला रचती है सुंदर जहान।

शिल्प की मूरत बोले प्यारी, संघर्षों की अमर वो नारी।
हर रेखा में बसता भाव, हर छुअन में होता चाव।

संवेदना की छाया में पलती, संस्कृति की धरोहर कहलाती।
कला और शिल्प हैं जीवन की शान, इनसे ही है भारत महान।

Mrs . Usha jangra
P.G.T. Fine Art

SPORTS

"Physical education provides us with a healthy body, positive mindset, and disciplined lifestyle, preparing us to face life's challenges."

शारीरिक शिक्षा स्कूल में बच्चे के जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा है। यह बच्चों को फिट और सक्रिय रखने में मदद करती है। शारीरिक शिक्षा में कई तरह के खेल और गतिविधियाँ शामिल हैं जो छात्रों को फिटनेस और स्वास्थ्य की विभिन्न अवधारणाओं के बारे में जानने के लिए पर्याप्त समय देती हैं। आज की दुनिया में जीवनशैली में बदलाव को देखते हुए शारीरिक शिक्षा का महत्व एक अलग स्तर पर पहुँच गया है। इसके अलावा, इन दिनों माता-पिता अपने बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में पहले से कहीं ज़्यादा जागरूक हैं।

Mr. Kuldeep Malik
DPE

Mr. Sushil Jangra
PTI

Dr. Surender Malik
PGT Physical Education

SCHOOL ACHIEVEMENTS

सच कहूँ मैंच कहें
epaper.sachkahoon.com
10 May 2024 - Page 5

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भाटोल में होनहार बच्चों का हुआ सम्मान

मेधावी बच्चों को सम्मानित करते सरपंच और स्कूल स्टाफ

- चार गांवों की पंचायतों ने किया मेधावी बच्चों को सम्मानित

सच कहूँ/मुकेश।

गढ़ी। अब राजकीय विद्यालय भी प्राइवेट विद्यालयों से किसी मामले में पीछे नहीं हैं। हरियाणा बोर्ड की 12वीं कक्षा की परीक्षाओं में पी एम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने परचम लहराया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य शमशेर बामल ने बताया कि इस बार 12वीं की बोर्ड परीक्षा में विद्यालय का शानदार परीक्षा परिणाम रहा जिसमें 68 प्रथम श्रेणी, 33 ग्रामीण मेरिट, 18 बोर्ड मेरिट रही। विद्यालय का छात्र रिकन 500 में से 478 अंक लेकर खंड बास में प्रथम स्थान पर रहा। विद्यालय में अव्वल रहने वाले छात्र: रिकन 478/500 प्रथम स्थान पर, मोनिका 456/500 द्वितीय स्थान पर एवं विशाल 453/500 तृतीय स्थान पर रहे। विद्यालय के शानदार परीक्षा परिणाम के उपलक्ष में विद्यालय में छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मेरिट में आने वाले छात्र एवं छात्राओं को मेडल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में ग्राम भाटोल रांगडान के सरपंच देवेंद्र लांबा, भाटोल जाटान के सरपंच जितेंद्र, खरकड़ा के सरपंच विजेंद्र, जीतपुरा के सरपंच संदीप, स्टाफ सदस्यों में जगपाल, प्रमोद, जोगिंदर, आशा, उषा, कुलदीप मलिक, डॉ. सुरेंद्र, अजीत, नरेंद्र ढाका, सीताराम, सतीश एवं अभिभावक गण मौजूद रहे।

पंजाब केसरी
THU,29 AUGUST 2024
EDITION: HISAR KESARI, PAGE NO. 2

बी.ई.ओ. शर्मिला कुमारी ने कल्चरल फेस्ट में बच्चों व स्टाफ का बढ़ाया हौंसला

विजेताओं के साथ बी.ई.ओ. शर्मिला कुमारी, प्राचार्य शमशेर बामल व अन्य। (संजय भुटानी)

हांसी, 28 अगस्त (संजय भुटानी): हांसी के गांव भाटोल खरकड़ा के पीएम श्री स्कूल में आयोजित कल्चरल फेस्ट में पांचवी से बाहरवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं लोक नृत्य, रागिनी, स्किट आदि में भाग लिया।

लोक नृत्य एकल में चाहत (पी.एम. श्री स्कूल भाटोल खरकड़ा) प्रथम, प्रिंसी (राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खांडा खेड़ी) द्वितीय, अंजलि (राजकीय कन्या हाई स्कूल खांडा खेड़ी) तृतीय रही। लोक नृत्य समूह में पीएम श्री स्कूल भाटोल खरकड़ा ने प्रथम स्थान हासिल किया।

रागिनी में विष्णु (पीएम श्री स्कूल भाटोल खरकड़ा) प्रथम, मोनिका (राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धुराना) द्वितीय, पवन कुमार (मॉडल स्कूल बास) तृतीय स्थान पर रहे। स्किट में पीएम श्री स्कूल भाटोल खरकड़ा प्रथम स्थान पर रहे। खंड शिक्षा अधिकारी शर्मिला कुमारी ने बच्चों व स्टाफ को संबोधित किया और उनका हौंसला बढ़ाया। उन्होंने कल्चरल फेस्ट के सफल आयोजन के लिए विद्यालय प्राचार्य शमशेर बामल एवं विद्यालय टीम की पीठ थपथपाई।

इस कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य संदीप मोर, प्राचार्य प्रदीप बिसला, भाटोल रांगड़ान के सरपंच देवेंद्र लांबा, आशा, उषा, जगपाल, कुलदीप मलिक, सुशीला, नरेंद्र ढाका, सीताराम, सतीश कुमार, जोगिंद्र दूहन एवं साहिल आदि मौजूद रहे।

पंजाब केसरी
WED,19 FEBRUARY 2025
EDITION: HISAR KESARI, PAGE NO. 4

हांसी के दिव्यांग शिक्षक शमशेर बामल लगातार बढ़िया परीक्षा परिणाम देकर टीचर्स के लिए बने हुए हैं प्रेरणा स्त्रोत

स्कूल के कार्यक्रम में बोलते हुए शमशेर सिंह बामल। (संजय भुटानी)

हांसी, 18 फरवरी (संजय भुटानी): दिव्यांग शिक्षक शमशेर सिंह बामल लगातार बढ़िया परीक्षा परिणाम देकर अन्य टीचर्स के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बने हुए हैं। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भाटोल खरखड़ा में भूगोल प्रवक्ता के पद पर कार्यरत बामल को बोर्ड परीक्षाओं में लगातार 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम लाने और शिक्षा विभाग में विशेष योगदान के लिए उपमंडल स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में भी सम्मानित किया जा चुका है। शमशेर सिंह ने अपने दृढ़ संकल्प, मेहनत और शिक्षण कौशल से यह साबित कर दिया है कि दिव्यांगता किसी भी व्यक्ति की प्रतिभा और समर्पण के सामने बाधा नहीं बन सकती।

उन्होंने न केवल छात्रों को उत्कृष्ट परिणाम दिलाए, बल्कि शिक्षा विभाग में अपने योगदान से अपनी अलग पहचान बनाई।

शमशेर सिंह बामल ने इस विद्यालय में वर्ष 2016 में जॉइन किया और तब से लेकर अब तक हर साल उनके विषय भूगोल का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा है। वे शिक्षा के साथ, साथ वर्ष 2019 से अब तक राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी के रूप में अपना अहम योगदान दे रहे हैं। समय, समय पर पौधारोपण, रक्तदान, नशा मुक्ति अभियान आदि में अहम किरदार अदा कर रहे हैं। उनका सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उनके अथक प्रयासों और समाज में प्रेरणा के संदेश को उजागर करता है। शमशेर सिंह जैसे शिक्षक समाज के लिए आदर्श हैं और उनका समर्पण यह सिखाता है कि चुनौतियों के बावजूद निरंतर प्रयास से असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। शमशेर सिंह ने अपने स्कूल की प्रिंसिपल नीलम दलाल सहित विधायक विनोद भयाना, एस.डी.एम.राजेश खोथ, बी.ई.ओ. शर्मिला सिवाच, बी.आर.सी.दलबीर श्योरान सहित विद्यालय परिवार का उनके सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

पंजाब केसरी
TUE,13 AUGUST 2024
EDITION: HISAR KESARI, PAGE NO. 1

हांसी के गांव भाटोल खरकड़ा स्कूल के 2 विद्यार्थियों को सी.एम. ने किया सम्मानित

हांसी, 12 अगस्त (संजय भुटानी): सोमवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा पी.एम.श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भाटोल खरकड़ा के 2 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

विद्यालय के प्राचार्य शमशेर बामल ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा चलाई गई योजना के तहत बारहवीं में 90 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति विद्यार्थियों को एक लाख ग्यारह हजार रुपए का चैक देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य शमशेर बामल ने बताया कि इस योजना में विद्यालय के छात्र रिकन पुत्र फूल कुमार (95.6 प्रतिशत) व प्रीती पुत्री भूपसिंह (91.8 प्रतिशत) को उनकी उपलब्धि पर आज मुख्यमंत्री ने परेड ग्राऊंड सेक्टर 5 पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया। प्राचार्य बामल ने बताया की रिकन पुत्र फूलकुमार ने अनुसूचित जाति के छात्रों में हरियाणा में 13वां स्थान प्राप्त किया है और लड़कों में रिकन ने पूरे हिसार जिले में अपनी श्रेणी में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस पर पूरे विद्यालय में खुशी की लहर है। सभी ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। रिकन के माता-पिता ने पूरे विद्यालय परिवार को इस उपलब्धि का श्रेय दिया है।

Teacher's Field Work

School & Village

Tour & Travels

Teaching Faculty

Best Teacher Award
Vice-Principal
Shamsher Singh

SUB DIVISION HANSI, DISTT. HISAR

APPRECIATION CERTIFICATE

Sh./Smt./Miss ....शमशेर सिंह.................... S/o, W/o, D/o....................

Designation..प्रवक्ता भूगोल............ of P.M. shri G.S.S.S. Bhatol Kharkara School/College/Department is awarded this certificate of Appreciation in recognition of his/her Contribution in the field of शिक्षा विभाग में सराहनीय कार्य करने पर on the occasion of .... गणतंत्र दिवस 2025 ....

Place : HANSI

Dated : 26/01/2025

Sub Divisional Officer (Civil)
Hansi Distt. Hisar